ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS
321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785

**What is Arya Samaj?**

**Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.**

# ARYAN VOICE

**YEAR 44** **09/2022-23** **MONTHLY** **September 2022**

## Gayatri Maha Yajna

**Sunday 25th September 2022**
**11am – 1.30pm**

**Havan starts at 11am and finish about 1.30pm followed by Rishi Langer**

**Car-Parking at Rookery School, Rookery Road, Handsworth B21 9PY**

**We invite people to get in touch with our Acharya ji in order to book a place for being Yajman on that day.**

**We look forward to seeing you all.**

## Annual General Meeting

**Sunday 16th October 2022 – 12pm**
**(All members will receive a notification letter separately)**

**321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**
**Tel - 0121 359 7727**
**E-mail enquiries@arya-samaj.org Website www.arya-samaj.org**
**Charity registration number 1156785**
**facebook https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/**

# CONTENTS


| | |
|---|---|
| 10 Principles of Arya Samaj | 3 |
| How to plan for the development of this body chariot? - Vimal Wadhawan Yogachary | 4 |
| "वेद और संस्कृत भाषा - सृष्टिकर्ता ईश्वर से सर्गारम्भ में प्राप्त" - आचार्य डॉ. उमेश यादव | 5 |
| वेदकथा-विवरण (१४ अगस्त २०२२ रविवार से लगातार २० अगस्त, २० | 9 |
| ७६वाँ भारतीय स्वतंत्रता-दिवस समारोह-विवरण - (२१ अगस्त,२०२२ रविवार) आर्य समाज (वेदिक मिशन), वेस्टमिड्लैंड्स | 11 |
| Azadi Ka Amrit Mahotasav - Pride of Bharat and Welcoming Team India for Commonwealth Games 2022. | 15 |
| Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands | 16 |
| News (पारिवारिक समाचार) | 17 |
| Emerency Funding for Tower | 19 |
| Members who pay donations by standing order | 20 |
| Weekly services details | 21 |
| Your Arya Samaj is here to help you in "Your Hour of Need" | 23 |
| We need more of our members to donate monthly/yearly. | 24 |
| Food/Cash Collection | 25 |
| | |


**NEW HOURS**

**For General and Matrimonial Enquiries Please Ring**
**Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)**
**Monday – 12. 30pm to 6.30pm,**
**Wednesday: - 10.30am to 4.30pm.**
**Thursday – 2.30pm – 8.30pm**
**Bank Holidays – Closed**
**Tel. 0121 359 7727**


**321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**
**Tel - 0121 359 7727**
**Charity registration number**
**1156785**
**E-mail**
**enquiries@arya-samaj.org**
**Website**
**www.arya-samaj.org**
**facebook**
**https://www.facebook.com/aryasamaiwestmidlands/**

# 10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means. (At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**

2. **God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**

4. **All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**

10. **In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

## How to plan for the development of this body chariot?

**Samaanyojano hi vaam ratho dasraavamartyah. Samudre ashvineyate. Rigveda 1.30.18**

**समानयोजनो हि वाँ रथो दस्रावमर्त्यः समुद्रेऽश्विनेर्यते।। ऋग्वेद 1.30.18**

**(Samaan yojanah) equally planned and developed (hi) are (vaam) both - pranas and apanas, body and mind (rathah) of this divine chariot (dasrou) destroying all weaknesses (amartyah) doesn't die (Samudre) equally blissful (ashvinaa) pair of the two - pranas and apanas, body and mind (iyate) makes speedy achievement.**

### Elucidation

How to plan for the development of this body chariot?
If a balanced inhaling and exhaling is developed in this body, if body and mind are taken care of together, only then we can destroy all weaknesses and don't die in diseases, crimes and lone material pursuits. Only then, this body chariot becomes equally blissful and perform all activities with proper speed, without laziness or selfishness. A vehicle with proper fire, air and water balance only can reach its destination with speed and without any disturbance.

### Practical Utility in life

What is the balanced development of body and mind?
A balanced development of body and mind, pranas and apanas, is called equanimity in all dualities.
Mind understands wisdom to distinguish harms from benefits, but the body needs comforts and detract the mind. Thus, both proceed to commit wrongs. Body and mind should be equally developed. What mind is thinking at the core, body should follow the same. This life can become blissful if mind develops a great knowledge with wisdom and body follows the discipline of mind. Such a balanced body and mind would ensure: -
(i) No effect of diseases, crime etc. due to absence of any weaknesses.
(ii) Universal blissfulness.
(iii) Proper activities with speed, no laziness.

**By Vimal Wadhawan Yogachary - Advocate, Supreme Court of Bharat**

# “वेद और संस्कृत भाषा - सृष्टिकर्ता ईश्वर से सर्गारम्भ में प्राप्त”

आचार्य डॉ. उमेश यादव

संसार में दो प्रकार की रचनायें देखने को मिलती है। एक अपौरूषेय और दूसरी पौरूषेय रचनायें। अपौरूषेय रचनायें वह होती हैं जो मनुष्यों के द्वारा असम्भव होने से नहीं की जा सकती। उदाहरण के लिए सूर्य, चन्द्र व पृथिवी सहित पृथिवी पर वायु, जल, अग्नि आदि की उत्पत्ति मनुष्य कदापि नहीं कर सकते। यह रचनायें अपौरूषेय कहलाती हैं। जो रचनायें मनुष्य पृथिवी पर उपलब्ध पदार्थों को लेकर कर सकते हैं उन्हें पौरूषेय रचनायें कहते हैं। इन रचनाओं में कृषि के उत्पाद, भवन निर्माण, भोजन व वाहन, तथा वस्त्र सहित देश विदेश में उद्योगों में मनुष्यों के उपयोग व लाभ की जो भी सामग्री बनती है वह सब पौरूषेय रचनायें होती हैं। हमारा यह ब्रह्माण्ड और सभी अपौरूषेय रचनायें ईश्वर ने सृष्टि के आरम्भ में रची हैं और वही अपने बनाये नियमों के अनुसार उनकी व्यवस्था वा रखरखाव कर रहा है।

सृष्टि के आरम्भ में मनुष्यों व पशु-पक्षियों के माता-पिता न होने के कारण ईश्वर अमैथुनी सृष्टि करता है। अमैथुनी सृष्टि में जो मनुष्य उत्पन्न होते हैं उनको अपनी दिनचर्या सुचारू रूप से चलाने के लिए ज्ञान व भाषा की आवश्यकता होती है। बिना ज्ञान व भाषा के मनुष्य अधिक समय तक अपने जीवन को चला नहीं सकते। सृष्टि के आदि काल में मनुष्यों को गुरुओं व अध्यापकों की आवश्यकता होती है परन्तु तब यह आचार्यादि उपलब्ध नहीं होते। ऐसी स्थिति में एक ही विकल्प होता है कि परमात्मा आदि सृष्टि में उत्पन्न किये गये मनुष्यों में से कुछ को व सबको ज्ञान व भाषा दे जिससे उनको अपने कर्तव्यों का ज्ञान होने के साथ वह अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित कर सकें।

विचार मंथन करने पर यह सिद्ध होता है कि परमात्मा ने ज्ञान व भाषा की पूर्ति के लिए ही चार ऋषि अग्नि, वायु, आदित्य और अंगिरा को क्रमशः चार वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद,

सामवेद और अथर्ववेद का ज्ञान दिया था। वेदों का ज्ञान परमात्मा की ही तरह पवित्र होने सहित सृष्टिक्रम व विज्ञान के सर्वथा अनुरूप है। इस वेदज्ञान में ईश्वर, जीव व प्रकृति के सत्यस्वरूप का प्रकाश किया गया है। मनुष्यों के अपने प्रति तथा समाज व देश के प्रति क्या कर्तव्य होते हैं, इनका ज्ञान भी वेदों से होता है। वेदों का ज्ञान सर्वांगीण ज्ञान है। इस ज्ञान से मनुष्यों में वह क्षमता उत्पन्न हो जाती है कि वह चिन्तन व मनन करते हुए मनुष्यों के लिए आवश्यक सभी प्रकार का ज्ञान व विज्ञान विकसित व उन्नत कर सकते हैं। ऐसा ही अतीत में भी हुआ था और आधुनिक काल में भी हुआ व हो रहा है। भाषा से मनुष्यों में विचार कर सत्यासत्य को जानने की क्षमता आ जाती है जिससे वह अपने परिवार व समाज के लोगों के साथ आपस की समस्याओं पर वार्तालाप कर एक दूसरे के सहयोग से उनके समाधान ढूंढ सकते हैं।

परमात्मा से सृष्टि की आदि में ऋषियों वा मनुष्यों को जो ज्ञान प्राप्त हुआ वह चार वेद और उनकी भाषा संस्कृत है। संस्कृत भाषा महाभारतकाल व उसके बाद कुछ सौ वर्षों तक देश व विश्व में विद्यमान रही है व कहीं कहीं अब भी है। भारत में तो संस्कृत के अध्ययन वा ज्ञान के लिए अनेक गुरुकुल एवं विद्यालय चल रहे हैं। महाविद्यालयों में भी संस्कृत का अध्ययन कराया जाता है। प्रति वर्ष अनेको लोग वेद व संस्कृत विषयों को लेकर शोध उपाधियां प्राप्त करते हैं। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पूर्व एक न्यायाधीश महोदय ऐसे भी हुए हैं जिन्होंने अपना निर्णय संस्कृत भाषा में दिया था। सृष्टि के आरम्भ काल से महाभारतकाल तक की लम्बी अवधि में देश-विदेश में बड़ी संख्या में ऋषि व विद्वान होते थे जो संस्कृत बोलने व लिखने आदि के ज्ञान सहित वेद व वैदिक ग्रन्थों को समझने व दूसरों को पढ़ाने की योग्यता रखते थे। अनेक ऋषि दर्शन व उपनिषदों के रचयिता भी रहे हैं।

महाभारतकाल के बाद देशवासियों, मुख्यतः ब्राह्मणों के आलस्य व प्रमाद के कारण संस्कृत भाषा का पतन होने लगा और इस भाषा में विकार होकर जनसामान्य द्वारा बोली जाने वाली अनेक बोलियों की उत्पत्ति हुई। स्थान की दूरी व भौगोलिक अनेक कारणों से कुछ बोलियों ने कालान्तर में स्वतन्त्र भाषा का स्थान भी ले लिया। वर्तमान में

**हमें संस्कृत समझने में कठिनाई होती है परन्तु हमारा सौभाग्य है कि संस्कृत व आर्य भाषा हिन्दी की देवनागरी लिपि एक ही है। इस कारण हिन्दी भाषी व्यक्ति संस्कृत को पढ़ सकता है वा पढ़ कर बोल भी सकता है। संस्कृत के अनुवादों के माध्यम से पाठक संस्कृत ग्रन्थों के तात्पर्य, पदार्थों व भावार्थों को भी जान सकता है। हम देवनागरी लिपि व हिन्दी भाषा जानते हैं। इसकी सहायता से हम वेदमन्त्रों का उच्चारण कर सकते हैं और वेद-भाष्यों के द्वारा वेद-मन्त्रों के अर्थ व भावार्थों को भी जान सकते हैं।**

**वेद और संस्कृत सच्चिदानन्दस्वरूप, अनादि, नित्य, अविनाशी, अमर, सर्वाव्यापक, सर्वान्तर्यामी ईश्वर द्वारा प्रदत्त ज्ञान व भाषा है। ईश्वर इस संसार का रचयिता है और हमें मनुष्य जन्म भी उसी ने दिया है। संसार के सभी मनुष्य व प्राणी अपने रचयिता ईश्वर के ऋणी हैं। वही हमें हमारे शुभ कर्मों को करने पर सुख देता है। जब हम पाप करते हैं तो परमात्मा अपनी न्याय व्यवस्था के अनुसार उन कर्मों के दुःखरूपी फल देता है। ईश्वर शिव व मंगलकारी है। अपने परम हितैषी एवं कल्याण करने वाले उस परमात्मा के ज्ञान व भाषा का हमें आदर करना चाहिये। वेदज्ञान व संस्कृत भाषा दिव्य परमात्मा की दिव्य सम्पत्तियां हैं।**

**हमें वेद के एक-एक शब्द को उसके अर्थ सहित तथा पूरे वेद के तात्पर्य को जानने का प्रयत्न करना चाहिये। ऐसा करने पर ही हम माता-पिता-आचार्य से भी अधिक उपकारी परमात्मा के योग्य पुत्र कहला सकते हैं। यदि हम वेदों का अध्ययन नहीं करेंगे और वेदों की भाषा संस्कृत की भी उपेक्षा करेंगे तो यह हमारी ईश्वर के प्रति कृतघ्नता होगी। किसी भी विज्ञ व विप्र मनुष्य को कृतघ्न नहीं होना चाहिये। ईश्वर वास्तविक रूप में हमारा माता, पिता, आचार्य, राजा व न्यायाधीश है। हमें अपने सर्वतोमहान उस ईश्वर वा परमात्मा के प्रति श्रद्धा व निष्ठा व्यक्त करते हुए वेदज्ञान का न केवल स्वयं अध्ययन करना है अपितु स्वयं अध्ययन कर इससे अपने अन्य बन्धुओं को भी लाभान्वित कराना है। ऐसा होने पर ही हम ईश्वर के प्रति निष्ठावान होने से दुःखों से दूर रहेंगे और इससे हमारा, समाज व विश्व का सर्वविध कल्याण होगा।**

**परमात्मा ने ही सब मनुष्यों व इतर पशु-पक्षियों आदि प्राणी योनियों के शरीरों को बनाया है। उसी ने सृष्टि के आदि काल में अमैथुनी सृष्टि में उत्पन्न चार मनुष्य वा ऋषि अग्नि, वायु, आदित्य तथा अंगिरा को वेदों का ज्ञान दिया था। वेदों में प्रयुक्त संस्कृत भाषा ही परमात्मा से प्राप्त आदि भाषा है। परमात्मा जानता है कि वेदों के उच्चारण के लिए मनुष्यों को किस प्रकार के मुख, तालु, जिह्वा, नासिका, कण्ठ व उदर आदि की आवश्यकता होगी। जैसी मनुष्य शरीर की क्षमता व सामथ्र्य है वैसे ही वेद के पद व मन्त्र आदि हैं जिनका मनुष्य सरलता व मधुरता से उच्चारण कर सकता है। बहुत से मन्त्र तो इतने सरल हैं कि हिन्दी भाषी व्यक्ति भी उनके अर्थों को जान लेता है। मन्त्रों के भाष्य व अनुवाद से भी उसे वेद के शब्द व उनके अर्थ सरलता से समझ में आते हैं एवं वह स्मरण हो जाते है। वेद की भाषा संस्कृत का छन्दोबद्ध व स्वरों से युक्त होना भी इसे ईश्वरीय भाषा व ज्ञान सिद्ध करते हैं। वेद के सभी पद धातुज व यौगिक हैं। इससे भी वेद के शब्दों व भाषा का अन्य भाषाओं जिनके सभी शब्द रूढ़ हैं, विशेषता व महत्व का ज्ञान होता है।**

**वेद-ज्ञान अविद्या से सर्वथा रहित है। वेद पूर्ण ज्ञान है। सभी मत-मतान्तरों के ग्रन्थ विद्या की दृष्टि से वेद की तुलना में तुच्छ है। यह अन्तर वैसा ही है जैसा कि अपौरूषेय व पौरूषेय रचनाओं में होता है। वेदों से मनुष्य की सभी शंकाओं का समाधान होता है। वेदज्ञान से हमें ईश्वर व आत्मा के ज्ञान सहित अपने कर्तव्यों, जीवन के उद्देश्य व ईश्वरोपासना आदि के ज्ञान सहित अन्य अनेक लाभ भी विदित होते हैं। मनुष्य जीवन का उद्देश्य अविद्या का नाश करना व विद्या की वृद्धि वा उन्नति करना है। ईश्वर की उपासना से अपने दुर्गुणों का त्याग कर ईश्वर के गुणों के सदृश्य सद्गुणों को धारण करना है। प्राणीमात्र का हित व कल्याण करना भी हम सबका उद्देश्य व कर्तव्य है। इन सब कार्यों से मनुष्यों को धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की सिद्धि होती है। मोक्ष ही सभी जीवात्माओं का अन्तिम लक्ष्य है। जो मोक्ष को प्राप्त हो जाता है उसके सब दुःख दूर हो जाते हैं और बहुत दीर्घ अवधि के लिए उसका जन्म व मरण का चक्र रुक जाता है। जीवात्मा ईश्वर के सान्निध्य में रहकर सुख व आनन्द को भोगता है।**

**<u>वेदकथा-विवरण (१४ अगस्त २०२२ रविवार से लगातार २० अगस्त, २०</u>**

**आर्य समाज (वैदिकमिशन) वेस्टमिड्लैंड्स द्वारा निर्धारित तिथियों में इस वर्ष १४ अगस्त २०२२, रविवार से लगातार २० अगस्त, २०२२, शनिवार तक प्रत्येक सायं ७.०० से ९.०० वजे तक अत्यन्त ज्ञान-वर्धक, सरल और रोचक तरीके से वेदकथा आर्य समाज के मान्य धर्माचार्य वैदिक विद्वान् आचार्य उमेश जी द्वारा सम्पन्न हुयी । हर वर्ष की भांति आचार्य श्री इस वर्ष भी एक अलग विषय को लेकर इस महत्त्वपूर्ण व्याख्यान-माला को सार्थक बनाया । आर्य समाज के प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार ने विगत कई महिनों से महर्षि दयानन्द सरस्वती की ऐतिहासिक और विशेष ग्रन्थ 'ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका' का स्वाध्याय शुरु किया हुआ है, इस कारण उन्हीं की ईच्छा थी कि इस बार की वेदकथा में ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका पर ही विस्तारपूर्वक सरल ढंग से आचार्य जी द्वारा व्याख्यान किया जाये । इस प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुये ही इस कार्यक्रम को विधिवत् सम्पन्न किया गया । प्रत्येक सायं एक वैदिक भजन (विडियो) के बाद प्रधान जी द्वारा संचालन किया गया और और फिर आचार्य उमेश जी द्वारा प्रस्तुत यह व्याख्यानमाला-क्रम इस वर्ष सभी जिज्ञासु और श्रद्धालु श्रोताओं के लिये अत्यन्त सार्थक रहा ।**

**यह कार्यक्रम ज़ूम-लिंक द्वारा किया गया जिसमें अधिक तो नहीं परन्तु यूनाइटेड किंगडम के अलग-अलग क्षेत्रों से कुछ लोग जुड़े जिन्होंने इसका पूरा लाभ उठाया । हर रोज व्याख्यान के बाद प्रधान जी तथा अन्य श्रोताओं द्वारा कुछ सन्दर्भित**

**प्रश्न पूछे जाते रहे जिसका संतोषजनक समाधान आचार्य जी द्वारा किया जातारहा ।**

**इस व्याख्यान-माला में लन्दन, स्लौव, नौरिच, कार्डिफ, बर्मिंघम और आस-पास के शहरों से जिज्ञासु श्रोता स्त्री-पुरुष जुड़े । अंतिम दिन व्यस्तता के कारण प्रधान जी नहीं जुड़ पाये तो उनकी जगह इस आर्य समाज के युवा ट्रस्टी श्री विजय कुमार हर्फ़ ने संचालन कार्य किया । ज़ूमलिंक पर उपस्थिति न्यून्तम ६ और अधिकतम १६ रहा पर सुनने वाले प्राय: आर्य सुधिजन वैदिक सिद्धान्तों के प्रेमी थे । प्राय: जुड़े रहने वालों में डॉ. नरेन्द्र कुमार, श्री विजय कुमार हर्फ़, श्रीमती विभा केल, डॉ. चन्द्रा माथुर (लन्दन), श्रीमती रेणु परासर (लन्दन), श्रीमती उषा खोसला, श्रीमती उषा प्रकाश, श्रीमती किरण सेल्वरत्ना, श्रीमती मिनू अग्रवाल, पं. सुधीर शर्मा (पुरोहित-लन्दन आर्य समाज), श्रीमती सुनीता जी (एडम्ब्रा), आचार्य रमेश आर्य (चंडीगढ़, भारत), श्रीमती विमला डौड, डॉ. निलम चितकारा (लन्दन) आदि रहे । व्याख्यान-माला का विषय ऋग्वेदादि भाष्यभुमिका के अनुसार 'प्रार्थना विषय, वेदोत्पत्ति विषय, वेद-विषय, सृष्टि-उत्पत्ति-विषय, मानव आदि प्राणी-उत्पत्ति ( युगल और युवावस्था में ), सृष्टि-मानव-वेद-उत्पत्ति-काल, डार्विन थियोरी(विकासवाद) का खंडन, वेदों में विज्ञानविषय-विमान, तार, वैद्यक, गणित, भूगोल, प्रकाश्य-प्रकाशक सूर्य-चन्द्र विषय, भौतिक व रसायन आदि, पुनर्जन्म, चार वर्ण, चार आश्रम तक के अध्यायों को विस्तार पूर्वक स्पष्ट किया गया ।**

**इस प्रकार इस सत्र की वेद कथा अत्यन्त सहजता व प्रसन्नता की मुद्रा में ज़ूमलिंक द्वारा सम्पन्न हुई ।**

**सृष्टि-मानव-वेद-उत्पत्ति-काल - 1960853123 वर्ष.**

**<u>७६वाँ भारतीय स्वतंत्रता-दिवस समारोह-विवरण</u>**

**<u>(२१ अगस्त,२०२२ रविवार)</u>**

**<u>आर्य समाज (वेदिक मिशन), वेस्टमिड्लैंड्स</u>**

**निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह समारोह अत्यन्त सुचारु ढंग से हर्षोल्लास के साथ विधिवत् सम्पन्न हुआ । प्रथमत: आचार्य उमेश जी के ब्रह्मत्व और संस्था-प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार एवं श्रीमती शमा कुमार सपिवार के यजमानत्वान्तर्गत् पवित्र यज्ञशाला में वैदिक संध्या और अग्निहोत्र सम्पन्न किया गया ।**
**श्रीमती वीना कुमार द्वारा गृह-निर्मित हलवा परसाद की आहुति तथा भारतीय राष्ट्रोन्नति, राष्ट्र-प्रेम व भक्ति-भाव के साथ देश पर वलिदान होने वाले वीरों के प्रति नमन-भाव अभिव्यक्त करते हुते आहुतिपूर्वक ईश्वर से राष्ट्रीय विकास के लिये प्रार्थना की गयी ।**

**तत्पश्चात् राष्ट्रीय तिरंगा ध्वज भारत के टांडा(उ.प्र.) निवासी श्री आनन्द कुमार आर्य के करकमलों से फहराया गया जिसमें स्थानीय बोर्ड ऑफ ट्रस्ट के सभी उपस्थित सदस्यों के साथ आचार्य उमेश जी के मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ । श्रीमती शमा कुमार, श्रीमती शांति कुमारी, श्रीमती रेखा गुप्ता, श्रीमती वीना कुमार और श्रीमती विभा केल द्वारा सामुहिक राष्ट्रीय गीत गाया गया जिसमें समारोह में उपस्थित सभी स्त्री-पुरुषों ने भाग लिया । कार्यक्रम के मुख्यातिथि बर्मिंघम स्थित भारतीय दूतावास के कार्यकारी अध्यक्ष मान्या सुश्री अमानत मान उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढ़ायी । उन्होंने अपने संदेश में भारत की सर्वायामी उन्नति की बात की और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्वोधित संदेशों को बताते हुये प्रेरणा दी कि हम सब मिलकर ही भारत की उन्नति कर सकेंगे ।**

**समारोह के विशेष आकर्षण के रुप में डॉ. नरेन्द्र कुमार और आचार्य डॉ. उमेश यादव द्वारा लिखित पुस्तक "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का विशेष (८०%) योगदान" का लोकार्पन्न तथा विशिष्टातिथि श्री आनन्द कुमार आर्य जी का अभिनन्दन के साथ अनेकानेक आकर्षक राष्ट्रीय नृत्य, गीत व उद्वोधन रहे । उक्त पुस्तक का लोकार्पन्न "भारतीय स्वतंत्रता के ७५ वर्ष की पूर्ति होने पर राष्ट्रीय अमृतोत्सव के शुभावसर पर श्री आनन्द कुमार आर्य तथा सुश्री अमानत मान द्वारा बड़े की आनन्ददायक मुद्रा में सम्पन्न हुआ । यह पुस्तक अपने पूज्य पिता स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री मिश्रीलाल आर्य एवं माता स्व. श्रीमती रामप्यारी आर्य की पावन मधुर स्मृति में लेखक डॉ. नरेन्द्र कुमार द्वारा समर्पित की गयी वहीं आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जो सब आर्यों के दिलों में "राष्ट्र-पितामह" के रुप में बसते हैं; उनके और सभी आर्य वलिदानियों के प्रति सर्वात्मना समर्पित की गयी है ।**

**श्री आनन्द कुमार आर्य ने जहाँ दोनों लेखकों को इस महत्त्वपूर्ण लेखन के लिये साधुवाद दिया वहीं यह भी कहा कि यह पुस्तक सही समय पर प्रकाशित हुई है जबकि भारत और भारतवासियों द्वारा सर्वत्र "अमृतोत्सव" मनाया जा रहा है ।**

**इससे पूर्व श्री आनन्द कुमार आर्य का भव्य अभिनन्दन विधिवत् किया गया । सुश्री अमानत मान ने बुके, संस्था प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार ने सब ट्रस्टियों की ओर से "सम्मान-चिन्ह", धर्माचार्य आचार्य उमेश जी द्वारा ओ३म् चिन्हित पटका सभी उपस्थित आर्य जनों की ओर से सादर भेंट किया । तत्पश्चात अत्यन्त गरिमा भरे निर्मित "अभिनन्दन पत्र" आचार्य उमेश जी द्वारा श्री आनन्द कुमार आर्य के लिये पढ़ा गया ।**

८६ वर्षीय युवा मन और ऊर्जापूर्ण श्री आनन्द बाबू का आर्य समाज के अनेक विन्दुओं के विकास पर प्रेरक उद्वोधन भी प्राप्त हुआ । वहीं पर उन्हें आचार्य जी, डॉ. पी. डी. गुप्ता, पुलिश अधिकारी श्री रमेश शर्मा, श्री बलजीत सिंह, डॉ. चेतन वर्मा आदि ने मिलकर अति प्रेम से शॉल ओढ़ाकर भी सम्मान किया ।

जहाँ श्री नरेन्द्र कुमार ने पूर्व ही अपने सम्वोधन में सबका धन्यवाद तथा सबका स्वागत किया वहीं संस्था के ट्रस्टी श्री रवीन्द्र कुमार रेणुकुंटा ने आर्य शिक्षा और १६ संस्कारों पर बल देते हुये इन्हें जीवन में उतारने की प्रेरणा दी ।

इस राष्ट्रीय पर्व पर सुश्री कृति सिंहा ने कथक नृत्य, सुश्री कविशा मडाला एवं श्रीमती ब्युटी सिंहा ने देशभक्ति-गीत गाकर सबको देशभक्ति के रंग में रंगते हुये झूमने पर मजबूर कर दिया ।

सभी कलाकारों को आर्य समाज की ओर से "प्रशस्ति-पत्र" देकर उन्हें सम्मानित किया गया । अन्त में संस्था के ट्रस्टी श्री विनोद गुलाटी ने सबको सहयोगियों के साथ उपस्थित जनों को भी विधिवत् धन्यवाद किया, सभी सेवा-सहयोगी दल श्री परिमल सोमानी, श्री विनोद गुलाटी, श्री विजय कुमार, श्रीमती वीना कुमार, सुश्री राजी चौहान, श्रीमती शांति कुमारी, श्रीमती विभा केल आदि को मंच से हार्दिक धन्यवाद दिया गया । जबकि आर्य समाज के युवा ट्रस्टी श्री विजय कुमार ने सम्पूर्ण मंच संचालन का कार्य अत्यन्त सुचारु तरीके से किया । अन्ततः आचार्य उमेश जी द्वारा शांतिपाठ, राष्ट्रीय-उद्घोष, प्रीति-भोज मंत्र-पाठ एवं भोजनार्थ निवेदन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई । महर्षि दयानन्द हॉल में सबने बड़े प्रेम से प्रीतिभोज किया जिसकी व्यवस्था यज्ञ के यजमान डॉ. नरेन्द्र कुमार व परिवार द्वारा की गयी थी । उल्लेखनीय है कि हवन के पश्चात् सभी कार्यक्रम स्वामी श्रद्धानन्द हॉल में कार्यक्रमानुसार सम्पन्न किये गये गये ।

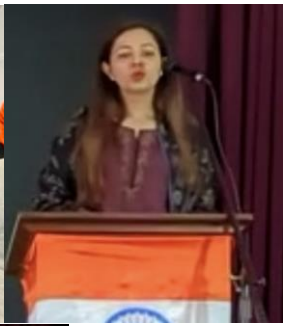

ओ३म्
ARY SAMAJ

ओ३म्

SAMAJ
MIDLANDS
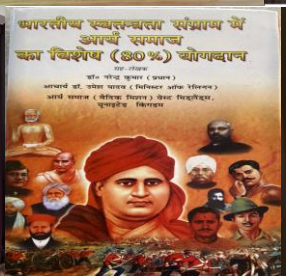
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में
आर्य समाज
का विशेष (80%) योगदान

# Azadi Ka Amrit Mahotasav
# Pride of Bharat and Welcoming Team India for Commonwealth Games 2022.

On 26th July 2022 Consulate General of India Birmingham held an event to welcome team India to Birmingham for the commonwealth games.
Indian team has performed excellent with 4th position in the games winning 61 medals.

**Congratulations to team India**.

## Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -**

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months & Life membership is £500 paid once.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
  - Maharishi Dayanand Hall and Swami Shraddhanand Hall – Members and friends can hire hall for celebration of birthday etc, as long as you do not drink alcohol and eat meat. We ask for a donation to cover electricity, gas and cleaning expenses. Please call 0121 359 7727 to book your event.

## Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £51
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £200
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £250
  - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £200

**ALL THE QUOTED FEES INCLUDE CHARGES FOR THE PRIEST AS WELL.**

**Note – Arya Samaj policy – All fees for Sacraments and Cremation are paid within 7 days**

## News

## Please note

**Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE and after 6pm on weekdays.**

## Condolences:

- Mrs Alka Sohnan and family - for the loss of her beloved mother Mrs Veena Uppal. She passed away on 11th July 2022 in India. Mrs Uppal was beloved Nani to Jay & Jade. We pray to Almighty God to give Sadgati to her soul and strength to the family to cope with their loss

## Congratulations

- Mrs Jeewan Sohal – for 28th Birthday celebration of their beloved daughter Rajwinder Sohal on 1st August 2022. Wishing her a happy healthy life.
- Dr & Mrs Keshav Gupta - for Grih Pravesh on 7th August 2022. Wishing them happiness & prosperity in their new home.
- Mr Sukesh & Mrs Ritu Nischal - for Grih Suddhi on 13th August 2022. Wishing them happiness & prosperity in their home.
- Mr Vivek & Mrs Roopa Sarohia – for 10th Birthday celebration of their beloved son Sarus Sharma Sarohia on 13th August 2022. Wishing him a happy healthy life.

## Havan:

- Mr Sunil & Mrs Aradhna Ralh – Havan on 14th August 2022 for happiness in the family. Wishing them all good health and happiness.

**Thank You:**

- Dr Narendra & Mrs Shama Kumar for sponsoring Independence Day of Bharat Celebration on 21st August 2022 at our Arya Samaj Bhavan in Honour of Dr Kumar elder brother Shri Anand Kumar Arya visiting from India.

**Donations:**

- Dr Narendra Kumar £400
- Mr Vivek Sarohia £140
- Daan Patra collected in August £121
- Mrs Alka Sohnan £100
- Dr Parmindar Kaur Sahni £100
- Shri Anand Kumar Arya (Guest of Honour) £50
- Mr Ramesh Paswan £10
- Dr Chetan Varma £10

**Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:**

- Dr Keshav Gupta £101
- Mrs Alka Sohnan £100
- Mr Sukesh Nischal £100
- Mr Sunil Ralh £51
- Mr Vivek Sarohia £51
- Mrs Jeewan Sohal £51
- Mr Niraj Verma £20

**Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences, on different occasions Or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.**

**Thank you for all your donations we are very grateful!**

# EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

| Name | Amount |
|---|---|
| Dr Narendra & Mrs Shama Kumar | £2000 |
| Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi | £1100 |
| Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria | £1001 |
| Mrs Rama Joshi | £1001 |
| Dr Narendra & Mrs Shama Kumar | £1000 |
| Dr Saroj Adlakha | £1000 |
| Dr & Mrs Shail Agarwal | £1000 |
| Mrs S Bhandari | £1000 |
| Mr Ved Parkash Rawal | £1000 |
| Dr Vijay and Mrs Archna Bathla | £1000 |
| Dr Anil and Mrs Urvind Kohli | £1000 |
| Dr Narendra Patel | £501 |
| Mr Swaraj and Vijay Kumar | £301 |
| Anonymous | £201 |
| Dr Satya Vrat Sharma | £200 |
| Mr Vinod Gulati | £200 |
| Mrs Usha Khosla | £151 |
| Mrs Suraksh Soni | £125 |
| Mr Surinder Julka | £101 |
| Dr Smita Mehra | £101 |
| Dr Chetan Varma | £101 |
| Mr Krishan Khurana | £101 |
| Ms Anita Rastogi | £101 |
| Mr Raj Joye | £101 |
| Mr Ashok Panday | £101 |
| Mr Parimal Somani | £101 |
| Mrs Nirmal Prinja | £100 |
| Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi | £100 |

# Members who pay donations by standing order

| Name | Amount | Payment |
|---|---|---|
| | | |
| Mrs Kanti Bajaj and Family | £250 | Yearly |
| Mr V.P Rawal | £121 | Yearly |
| Mr Parimal Somani | £120 | Yearly |
| Mrs Brij Bala Duggal | £120 | Yearly |
| Dr Vivek Gulati | £101 | Yearly |
| Dr Narendra & Mrs Shama Kumar | £81 | Yearly |
| Dr Chetan Varma | £30 | Monthly |
| Dr P.D. Gupta | £21 | Monthly |
| Dr Narendra & Mrs Shama Kumar | £20 | Monthly |
| Mr Varinder Bahal | £15 | Monthly |
| Mrs Nirmal Prinja | £15 | Monthly |
| Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria | £15 | Monthly |
| Mr Vinod Gulati | £10 | Monthly |
| Mr Alok Yadav | £10 | Monthly |
| Mr Jatender Vatta | £10 | Monthly |
| Mr Madan Mohan Sharma | £10 | Monthly |
| Mr Ravinder Renukunta | £10 | Monthly |
| Mrs Sushma Grover | £10 | Monthly |
| Mr Medharthee Rathore Arya | £10 | Monthly |
| Dr M D Agarwal | £10 | Monthly |
| Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan | £10 | Monthly |
| Mr Rajive Bali | £10 | Monthly |
| Mr P Puttyah | £10 | Monthly |
| Mr Joginder Pal Sethi | £10 | Monthly |
| Mr Krishan Chand Talwar | £10 | Monthly |
| Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi | £8.50 | Monthly |
| Mr Vipul Mistry | £5.25 | Monthly |
| Mr Amit Khanna | £5.00 | Monthly |
| Mr Vijay Kumar | £5 | Monthly |

## Weekly services details

**Please share with family & friends**

### Tuesday Bhangra and Fitness Class – only at Bhavan

**Time: 6:30pm – 7.30pm**

**Please join Mr Kulwinder Singh every Tuesday 6.30pm – 7.30pm for Bhangra and fitness class. This is a free class and everyone is welcome.**

### Wednesday Day Centre – only at Bhavan

**Time: 12pm – 3pm**

**Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 12pm. Emphasis is on keeping healthy and fit with yog and Pranayam. We will offer Tea/Coffee and biscuits free of cost. Those members who would like to have Lunch, we will try to provide lunch at the cost charged by caterer to us.**

### Wednesday Sanskrit Learning – via zoom only

**Time: 8:00pm – 9pm**

**Every week from Wednesday 7th September 2022, until December 28th 2022. New ID will be sent out in January 2023**

**Join Zoom Meeting**
**https://us06web.zoom.us/j/89791829083?pwd=bDlNUXFkMjRIZmViMW9WdnM2OUNqQT09**

**Meeting ID: 897 9182 9083** **Passcode: Vedic3**

### Sunday Yog Class – only at Bhavan

**Time: 9:00am – 11am**

**Please join Amrik Singh Virdi (YOG Teacher) every Sunday 9am to 11am for Yog and fitness class. Amrik has been a yog teacher since 2012. This is a free class and everyone is**

**welcome.**

**Please bring your own mat and water bottle. Full support will be given with all exercises in a friendly environment. Learn self management massage techniques, Ayurveda Treatments, and much more.**

## Sunday Havan and Satsang

**Time: 11:00am – 1pm - followed by Rishi Langer**

**Every week from Sunday 4th September 2022, until December 25th, 2022. New ID will be sent out in January 2023**

**Join Zoom Meeting**
**https://us06web.zoom.us/j/89350585747?pwd=OWJIdldqbXB6MUpEWEczMXMvajJTZz09**

**Meeting ID: 893 5058 5747** **Passcode: Havan3**

**If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted, please inform the office.**

***0121 359 7727***

**Member or non-member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj.**
**Please call 0121 359 7727**

**If you are not having any symptom of Covid-19, we request you to start attending Sunday Congregation, Yog Class & other events we will hold this year at Arya Samaj Bhavan. But for the benefit of those members who can not come to Bhavan we will continue providing our services on Zoom.**

# YOUR ARYA SAMAJ IS HERE TO HELP IN "YOUR HOUR OF NEED"

Dear members

Due to Covid-19 Pandemic and other issues, some of us have been going through all kinds of problems.

Your Arya Samaj is here to help you in your hour of need.

Please get in touch with us. Our Acharya ji, Shri Umesh Yadav, is a resident priest and lives in our Arya Samaj Bhavan.

You can contact him by phoning on 0121 3597727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

If Acharya Ji is not available to answer your phone, please leave a message with your full name, telephone number and briefly about your problem. It will be answered soon.

Please do not suffer alone. Talk to us. We exist to support our members and friends, especially when they are in any kind of trouble.

So please remember us in "Your Hour of Need".

Thank you.

Kind Regards

Dr Narendra Kumar

## We need more of our members to donate monthly/yearly.

We need to expand our list of generous monthly/yearly donors list to financially support our Arya Samaj in future.

At present we are receiving about £300 of regular donations every month.

We need to increase to £1000 a month at least in near future.

About 25 of our members are already donating regularly. We are grateful to them and thank them for their generosity.

Please get in touch with Arya Samaj office or donate directly into Arya Samaj Bank account as below by setting up a monthly standing order.

**Bank Transfer – The Co-operative Bank**
**Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**
**Account number – 65839135**
**Sort Code – 08.92.99**

Once you have donated online, please let us know by email or phone.

Your help is highly appreciated.

Thank you.

Kind Regards

Dr. Narendra Kumar
Chairman

# FOOD/CASH COLLECTION

**We are collecting Non-perishable foods or cash for the children at our local school. (Rookery School). This will be on going to support our community.**

**Example of non-perishable foods –**

- Canned proteins such as peanut butter, peanuts etc.
- Grains (pasta, whole wheat pasta, rice, brown rice, macaroni and cheese)
- Condiments (salt; sugar (brown), jam, honey, olive or canola oil)
- Canned fruit in juice, not in light or heavy syrup
- Low sodium/ No salt added canned vegetables (mixed, green beans, corn)
- Beans: black, pink, kidney, etc.
- Low-sodium soups (E.g., Tomato)
- Multigrain cereal (Cheerios, Corn Flakes etc.)
- Shelf stable milk, milk substitutes and juice
- low-sodium pasta sauce
- popcorn kernels (not microwave popcorn)
- canned tomatoes
- Longer life crips and biscuits

**Cash – We will ask the school what is needed and supply from your donation. (e.g., toiletries, sponsor clubs etc). No cash is directly given to the school.**

**Those of you that would like to donate food for this 4th collection, please bring food bags or give cash to Arya Samaj or call the office 0121 359 7727.**

## Donate Now:

**Arya Samaj (Vedic Mission)**
**West Midlands**
**321 Rookery Road**
**Handsworth**
**Birmingham, B21 9PR**

**Please donate by Monday 6th November 2022.**

**Thank you.**